Chapter – 18

इन्टरनेट क्या हैं? इन्टरनेट के लाभ एवं हानियाँ

इन्टरनेट क्या हैं? (What is internet)

इंटरनेट सूचना तकनीक की सबसे आधुनिक प्रणाली है। इंटरनेट को आप विभिन्न कंप्यूटर नेटवर्को का एक विश्व स्तरीय समूह (नेटवर्क) कह सकते है। इस नेटवर्क में हजारों और लाखो कंप्यूटर एक दुसरे से जुड़े है। साधारणत: कंप्यूटर को टेलीफोन लाइन द्वारा इंटरनेट से जोड़ा (Connect) जाता है। लेकिन इसके अतिरिक्त बहुत भी बहुत से साधन है। जिसमे कंप्यूटर इंटरनेट से जुड़ सकता है।

इंटरनेट किसी एक कंपनी या सरकार के अधीन नही होता है, अपितु इसमें बहुत से सर्वर (Server) जुड़े हैं, जो अलग अलग संस्थाओं या प्रायवेट कंपनीयों के होते हैं। कुछ प्रचलित इंटरनेट सेवाएं जैस gopher, file transfer protocol, World wide web प्रयोग इंटरनेट मे जानकारीयॉ प्राप्त करने के लिए होता हैं। इंटरनेट को हम विश्वव्यापी विज्ञापन का माध्यम कह सकते हैं। किसी उत्पाद के बारे में विश्वस्तर पर सर्वेक्षण करने के लिए यह सबसे आसान एवं सस्ता माध्यम हैं। विभिन्न जानकारीयॉ जैसे रिपोर्ट, लेख, कम्प्यूटर आदि को प्रदर्शित करने का बहुत उपयोगी साधन हैं।

इन्टरनेट क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है जिसमे आपका कंप्यूटर या मोबाइल जो इन्टरनेट पर मौजूद सूचनाओं का प्रयोग कर रहे हैं वो क्लाइंट कहलाते हैं और जहाँ यह सुचना सुरक्षित रखी है उन्हें हम सर्वर कहते हैं, इसके बारे में और पड़ने के लिए यहाँ क्लिक करें|

प्रायः इन्टरनेट पर मौजूद सूचनाओ को देखे के लिए हम वेब ब्राउज़र (Web Browser) का प्रयोग करते हैं, ये client program होते है तथा हायपर टेक्स्ट दस्तावेजो के साथ संवाद करने और उन्हें प्रदर्शित करने में सक्षम होते है | वेब ब्राउजर का यूज कर इन्टरनेट पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओ का यूज कर सकते है |

इन्टरनेट का इतिहास (History of Internet)

मूलतः इन्टरनेट का प्रयोग अमेरिका की सेना के लिए किया गया था| शीत युद्ध के समय अमेरिकन सेना एक अच्छी, बड़ी, विश्वसनीय संचार सेवा चाहती थी | 1969 में ARPANET नाम का एक नेटवर्क बनाया गया जो चार कंप्यूटर को जोड़ कर बनाया गया था, तब इन्टरनेट की प्रगति सही तरीके से चालू हुई | 1972 तक इसमें जुड़ने वाले कंप्यूटर की संख्या 37 हो गई थी | 1973 तक इसका विस्तार इंग्लैंड और नार्वे तक हो गया | 1974 में Arpanet को सामान्य लोगो के लिए प्रयोग में लाया गया, जिसे टेलनेट के नाम से जाना गया | 1982 में नेटवर्क के लिए सामान्य नियम बनाये गए इन्हें प्रोटोकॉल कहा जाता है| इन प्रोटोकॉल को TCP/IP (Transmission control protocol/Internet Protocol) के नाम से जाना गया | 1990 में Arpanet को समाप्त कर दिया गया

तथा नेटवर्क ऑफ नेटवर्क के रुप में इन्टरनेट बना रहा | वर्तमान में इन्टरनेट के माध्यम से लाखो या करोंड़ों कंप्यूटर एक दूसरे से जुड़े है | (VSNL) विदेश संचार निगम लिमिटेड भारत में इन्टरनेट के लिए नेटवर्क की सेवाए प्रदान करती है |

इंटरनेट किसी एक कंपनी या सरकार के अधीन नही होता है, अपितु इसमें बहुत से सर्वर (Server) जुड़े हैं, जो अलग अलग संस्थाओं या प्रायवेट कंपनीयों के होते हैं। कुछ प्रचलित इंटरनेट सेवाएं जैस gopher, file transfer protocol, World wide web प्रयोग इंटरनेट मे जानकारीयॉ प्राप्त करने के लिए होता हैं। इंटरनेट को हम विश्वव्यापी विज्ञापन का माध्यम कह सकते हैं। किसी उत्पाद के बारे में विश्वस्तर पर सर्वेक्षण करने के लिए यह सबसे आसान एवं सस्ता माध्यम हैं। विभिन्न जानकारीयॉ जैसे रिपोर्ट, लेख, कम्प्यूटर आदि को प्रदर्शित करने का बहुत उपयोगी साधन हैं।

इन्टरनेट क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित है जिसमे आपका कंप्यूटर या मोबाइल जो इन्टरनेट पर मौजूद सूचनाओं का प्रयोग कर रहे हैं वो क्लाइंट कहलाते हैं और जहाँ यह सुचना सुरक्षित रखी है उन्हें हम सर्वर कहते हैं, इसके बारे में और पड़ने के लिए यहाँ क्लिक करें|

प्रायः इन्टरनेट पर मौजूद सूचनाओ को देखे के लिए हम वेब ब्राउजर (Web Browser) का प्रयोग करते हैं, ये client program होते है तथा हायपर टेक्स्ट दस्तावेजो के साथ संवाद करने और उन्हें प्रदर्शित करने में सक्षम होते है | वेब ब्राउजर का यूज कर इन्टरनेट पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओ का यूज कर सकते है |

इन्टरनेट का इतिहास (History of Internet)

मूलतः इन्टरनेट का प्रयोग अमेरिका की सेना के लिए किया गया था| शीत युद्ध के समय अमेरिकन सेना एक अच्छी, बड़ी, विश्वसनीय संचार सेवा चाहती थी | 1969 में ARPANET नाम का एक नेटवर्क बनाया गया जो चार कंप्यूटर को जोड़ कर बनाया गया था, तब इन्टरनेट की प्रगति सही तरीके से चालू हुई | 1972 तक इसमें जुड़ने वाले कंप्यूटर की संख्या 37 हो गई थी | 1973 तक इसका विस्तार इंग्लैंड और नार्वे तक हो गया | 1974 में Arpanet को सामान्य लोगो के लिए प्रयोग में लाया गया, जिसे टेलनेट के नाम से जाना गया | 1982 में नेटवर्क के लिए सामान्य नियम बनाये गए इन्हें प्रोटोकॉल कहा जाता है| इन प्रोटोकॉल को TCP/IP (Transmission control protocol/Internet Protocol) के नाम से जाना गया | 1990 में Arpanet को समाप्त कर दिया गया तथा नेटवर्क ऑफ नेटवर्क के रुप में इन्टरनेट बना रहा | वर्तमान में इन्टरनेट के माध्यम से लाखो या करोंड़ों कंप्यूटर एक दूसरे से जुड़े है | (VSNL) विदेश संचार निगम लिमिटेड भारत में इन्टरनेट के लिए नेटवर्क की सेवाए प्रदान करती है |

- मनोरंजन Entertainment

इस आधुनिक युग में अब इंटरनेट घर घर में मनोरंजन का साधन बन चुका है। खाली समय में हम इंटरनेट की मदद से गाना सुन सकते हैं, फिल्में और टेलीविज़न देख सकते हैं। साथ ही हम ऑनलाइन अपने दोस्तों से सोशल मीडिया या सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट पर चैट भी कर सकते हैं।

इंटरनेट से हानियाँ (Disadvantages of Internet)

- **समय की बर्बादी** (Waste of time)

जो लोग इंटरनेट को अपने ऑफ़िस के काम के लिए और जानकारी लेने के लिए उपयोग करते हैं उनके लिए तो इंटरनेट बहुत लाभदायक होता है परन्तु जो लोग बिना किसी मतलब इसे अपनी आदत बना लेते हैं उनके लिए यह समय की बर्बादी के अलावा और कुछ नहीं। हमें इंटरनेट को समय के अनुसार उपयोग करना चाहिये ।

- **इन्टरनेट फ्री नहीं होता है** (Internet is not free)

इंटरनेट का कनेक्शन तभी हमें लेना चाहिए जब हमें इसकी ज़रुरत हो क्योंकि लगभग सभी इंटरनेट प्रदान करने वाली कंपनियां इंटरनेट का भारी चार्ज लेते हैं। अगर आपको इंटरनेट की आवश्यकता ज्यादा नहीं पड़ती है तो आप कोई प्री-पेड इंटरनेट सर्विस ले सकते हैं जिसकी मदद से आप जब चाहें तब रिचार्ज करवा कर इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं।

- **शोषण, अश्लीलता और हिंसक छवियां** (Exploitation and pornography and violent images)

इंटरनेट पर संचार की गति बहुत तेज़ है। इस लिए लोग अपने किसी दुश्मन या जिसको बदनाम करना चाहते हों उसने विषय में ऑनलाइन गलत प्रचार करके शोषण और अनुचित लाभ उठाते हैं। साथ ही इंटरनेट पर कई ऐसे वेबसाइट हैं जिन पर अश्लील चीजें हैं जिनके कारण कम उम्र के बच्चों को गलत शिक्षा मिल रही है।

- **पहचान की चोरी, हैकिंग, वायरस और धोखाधड़ी** (Identity theft, hacking, viruses, and cheating)

क्या आपको पता है आप जिन भी वेबसाइट पर अपना अकाउंट रजिस्टर करते हैं उनमें से लगभग 50-60% कंपनियां आपके निजी जानकारियों को बेचती हैं या उनका दुरुपयोग करती है। कुछ लोग इंटरनेट की मदद से आपके जरूरी जानकारियों को भी हैक कर सकते हैं।अभी हाल ही में विश्व भर के कई कंप्यूटर पर Ransom ware Attack हुआ था जिसमें कई लोगों का करोड़ों का नुक्सान हुआ। इंटरनेट के माध्यम से ही हमारे कंप्यूटर और मोबाइल फ़ोन पर वायरस आने का ख़तरा रहता है इसलिए एक अच्छा एंटीवायरस प्रोटेक्शन का होना बहुत ज़रूरी होता है।

- **स्पैम ईमेल और विज्ञापन** (Spam emails and Advertisements)

इंटरनेट से लोगों की निजी जानकारियाँ और Email Id को चुरा कर कई धोखेबाज़ कंपनियां झूठे ईमेल भेजती हैं जिनसे वो उन्हें ठकते हैं। उन ही ईमेल का रिप्लाई भेजें जिनकी आपको आवश्यकता है। अनजाने ईमेल को

तुरंत स्पैम (Spam) की लिस्ट में भेज दें या delete कर दें। कुछ भी ईमेल के लिंक से ना खरीदे , हमेशा किसी बड़ी शॉपिंग वेबसाइट पर सीधे जाकर समान खरीदे।

- **इंटरनेट की लत और स्वास्थ्य प्रभाव** (Internet Addiction & Health Effects)

दुनिया में वह शराब की लत हो या किसी और चीज की शरीर के लिए ठीक नहीं होता है। कई इसे लोग होते हैं जो इंटरनेट के बिना न खाते हैं और ना पीते हैं। इंटरनेट से भी कई प्रकार के बुरे स्वास्थ्य प्रभाव पड़ते हैं जैसे वज़न बढना, पैरों और हाथों में दर्द, आँखों में दर्द और सूखापन, कार्पल टनल सिंड्रोम, मानसिक तनाव, कमर में दर्द आदि।